0851CH03

## तृतीयः पाठः

# डिजीभारतम्

[प्रस्तुत पाठ "डिजिटलइण्डिया" के मूल भाव को लेकर लिखा गया निबन्धात्मक पाठ है। इसमें वैज्ञानिक प्रगति के उन आयामों को छुआ गया है, जिनमें हम एक "क्लिक" द्वारा बहुत कुछ कर सकते हैं। आज इन्टरनेट ने हमारे जीवन को कितना सरल बना दिया है। हम भौगोलिक दृष्टि से एक दूसरे के अत्यन्त निकट आ गए हैं। इसके द्वारा जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप सुविधाजनक हो गए हैं। ऐसे ही भावों को यहाँ सरल संस्कृत में व्यक्त किया गया है।]

अद्य सम्पूर्णविश्वे "डिजिटलइण्डिया" इत्यस्य चर्चा श्रूयते। अस्य पदस्य कः भावः इति मनसि जिज्ञासा उत्पद्यते। कालपरिवर्तनेन सह मानवस्य आवश्यकताऽपि परिवर्तते। प्राचीनकाले ज्ञानस्य आदान-प्रदानं मौखिकम् आसीत्, विद्या च श्रुतिपरम्परया गृह्यते स्म। अनन्तरं तालपत्रोपरि भोजपत्रोपरि च लेखनकार्यम् आरब्धम्। परवर्तिनि काले कर्गदस्य लेखन्याः च आविष्कारेण सर्वेषामेव मनोगतानां भावानां कर्गदोपरि लेखनं प्रारब्धम्। टङ्कणयन्त्रस्य आविष्कारेण तु लिखिता सामग्री टङ्किता सती बहुकालाय सुरक्षिता अतिष्ठत्। वैज्ञानिकप्रविधेः प्रगतियात्रा पुनरपि अग्रे गता। अद्य सर्वाणि कार्याणि सङ्गणकनामकेन यन्त्रेण साधितानि भवन्ति। समाचार-पत्राणि, पुस्तकानि च कम्प्यूटरमाध्यमेन पठ्यन्ते लिख्यन्ते च। कर्गदोद्योगे वृक्षाणाम् उपयोगेन वृक्षाः कर्त्यन्ते स्म, परम् सङ्गणकस्य अधिकाधिक-प्रयोगेण वृक्षाणां कर्तने न्यूनता भविष्यति इति विश्वासः। अनेन पर्यावरणसुरक्षायाः दिशि महान् उपकारो भविष्यति।

© NCERT not to be republished

अधुना आपणे वस्तुक्रयार्थम् रूप्यकाणाम् अनिवार्यता नास्ति। "डेबिट कार्ड", "क्रेडिट कार्ड" इत्यादयः सर्वत्र रूप्यकाणां स्थानं गृहीतवन्तः। वित्तकोशस्य (बैंकस्य) चापि सर्वाणि कार्याणि सङ्गणकयन्त्रेण सम्पाद्यन्ते। बहुविधाः अनुप्रयोगाः (*APP*) मुद्राहीनाय विनिमयाय (*Cashless Transaction*) सहायकाः सन्ति।

कुत्रापि यात्रा करणीया भवेत् रेलयानयात्रापत्रस्य, वायुयानयात्रापत्रस्य अनिवार्यता अद्य नास्ति। सर्वाणि पत्राणि अस्माकं चलदूरभाषयन्त्रे 'ई-मेल' इति स्थाने सुरक्षितानि भवन्ति यानि सन्दर्श्य वयं सौकर्येण यात्रायाः आनन्दं गृह्णीमः। चिकित्सालयेऽपि उपचारार्थं रूप्यकाणाम् आवश्यकताद्य नानुभूयते। सर्वत्र कार्डमाध्यमेन, ई-बैंकमाध्यमेन शुल्कं प्रदातुं शक्यते।

तद्दिनं नातिदूरम् यदा वयम् हस्ते एकमात्रं चलदूरभाषयन्त्रमादाय सर्वाणि कार्याणि साधयितुं समर्थाः भविष्यामः। वस्त्रपुटके रूप्यकाणाम् आवश्यकता न भविष्यति। 'पास्बुक' चैक्बुक' इत्यनयोः आवश्यकता न भविष्यति। पठनार्थं पुस्तकानां समाचारपत्राणाम् अनिवार्यता समाप्तप्राया भविष्यति। लेखनार्थम् अभ्यासपुस्तिकायाः कर्गदस्य वा, नूतनज्ञानान्वेषणार्थं शब्दकोशस्याऽपि आवश्यकता न भविष्यति। अपरिचित-मार्गस्य ज्ञानार्थं मार्गदर्शकस्य मानचित्रस्य आवश्यकतायाः अनुभूतिः अपि न भविष्यति। एतत् सर्वं एकेनेव यन्त्रेण कर्तुं, शक्यते।

शाकादिक्रयार्थम्, फलक्रयार्थम्, विश्रामगृहेषु कक्षं सुनिश्चितं कर्तुं, चिकित्सालये शुल्कं प्रदातुम्, विद्यालये महाविद्यालये चापि शुल्कं प्रदातुम्, किं बहुना दानमपि दातुं चलदूरभाषयन्त्रमेव अलम्। डिजीभारतम् इति अस्यां दिशि वयं भारतीयाः द्रुतगत्या अग्रेसरामः।



Rationalised 2023-24

## शब्दार्थाः

| | | |
|---|---|---|
| जिज्ञासा | – | जानने की इच्छा |
| उत्पद्यते | – | उत्पन्न होता है/होती है |
| परवर्तिनि काले | – | परिवर्तन के समय में |
| अनन्तरम् | – | बाद में |
| कर्गदस्य | – | कागज़ का |
| प्रविधिः | – | तकनीक, विधि |
| चलदूरभाषयन्त्रम् | – | मोबाइल फोन |
| रेलयानयात्रापत्रम् | – | रेल टिकट |
| वायुयानयात्रापत्रम् | – | हवाई जहाज का टिकट |
| सौकर्येण | – | आसानी से, सुगमता से |
| सन्दर्श्य | – | दिखलाकर |
| चिकित्सालयः | – | अस्पताल |
| वस्त्रपुटके | – | जेब में |
| द्रुतगत्या | – | तीव्र गति से |
| शुल्कम् | – | फ़ीस |

© NCERT not to be republished

## अभ्यासः

1. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत–

(क) कुत्र "डिजिटल इण्डिया" इत्यस्य चर्चा भवति?

(ख) केन सह मानवस्य आवश्यकता परिवर्तते?

(ग) आपणे वस्तूनां क्रयसमये केषाम् अनिवार्यता न भविष्यति?



Rationalised 2023-24

(घ) कस्मिन् उद्योगे वृक्षाः उपयुज्यन्ते?

(ङ) अद्य सर्वाणि कार्याणि केन साधितानि भवन्ति?

**2. अधोलिखितान् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) प्राचीनकाले विद्या कथं गृह्यते स्म?

(ख) वृक्षाणां कर्तनं कथं न्यूनतां यास्यति?

(ग) चिकित्सालये कस्य आवश्यकता अद्य नानुभूयते?

(घ) वयं कस्यां दिशि अग्रेसरामः?

(ङ) वस्त्रपुटके केषाम् आवश्यकता न भविष्यति?

**3. रेखाङ्कितपदान्यधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

(क) भोजपत्रोपरि <u>लेखनम्</u> आरब्धम्।

(ख) लेखनार्थं <u>कर्गदस्य</u> आवश्यकतायाः अनुभूतिः न भविष्यति।

(ग) <u>विश्रामगृहेषु</u> कक्षं सुनिश्चितं भवेत्।

(घ) सर्वाणि पत्राणि <u>चलदूरभाषयन्त्रे</u> सुरक्षितानि भवन्ति

(ङ) वयम् <u>उपचारार्थं</u> चिकित्सालयं गच्छामः?

**4. उदाहरणमनुसृत्य विशेषण विशेष्यमेलनं कुरुत–**

**यथा** – 

| विशेषण | विशेष्य |
|---|---|
| सम्पूर्णे | भारते |
| (क) मौखिकम् | (1) ज्ञानम् |
| (ख) मनोगताः | (2) उपकारः |
| (ग) महान् | (3) भावाः |



© NCERT not to be republished
Rationalised 2023-24

(घ) टङ्किता (4) विनिमयः

(ङ) मुद्राविहीनः (5) सामग्री

**5. अधोलिखितपदयोः सन्धिं कृत्वा लिखत-**

पदस्य + अस्य

तालपत्र + उपरि

च + अतिष्ठत

कर्गद + उद्योगे

क्रय + अर्थम्

इति + अनयोः

उपचार + अर्थम्

**6. उदाहरणमनुसृत्य अधोलिखितेन पदेन लघु वाक्य निर्माणं कुरुत-**

**यथा** - जिज्ञासा - मम मनसि वैज्ञानिकानां विषये जिज्ञासा अस्ति

(क) आवश्यकता -

(ख) सामग्री -

(ग) पर्यावरण सुरक्षा -

(घ) विश्रामगृहम् -

**7. उदाहरणानुसारम् कोष्ठकप्रदत्तेषु पदेषु चतुर्थी प्रयुज्य रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत-**

यथा – भिक्षुकाय धनं ददातु। (भिक्षुक)

(क) ............ पुस्तकं देहि। (छात्र)

(ख) अहम् ............. वस्त्राणि ददामि। (निर्धन)

(ग) .............. पठनं रोचते। (लता)

© NCERT not to be republished



Rationalised 2023-24

(ङ) रमेशः ................ अलम्। (सुरेश)

(च) ................ नमः। (अध्यापक)

## योग्यता-विस्तारः

इन्टरनेट – ज्ञान का महत्त्वपूर्ण स्रोत है

इन्टरनेट के माध्यम से किसी भी विषय की जानकारी सरलतापूर्वक मिल सकती है। सिर्फ एक "क्लिक" द्वारा ज्ञान के विभिन्न आयामों को छुआ जा सकता है। यह ज्ञान का सागर है जिसमें एक बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्म जीवाणु से लेकर ब्लैकहोल तक, राजनीति से लेकर व्यापार तक, अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों से लेकर वैज्ञानिक चरमोत्कर्ष तक की सूचना प्राप्त हो जाती है। सामान्यतः हमें किसी भी जानकारी के लिए पुस्तकालय तक जाने की आवश्यकता होती है, पर अब हम घर बैठे उसे प्राप्त कर सकते हैं। यह एक सामाजिक प्लेटफार्म है जहाँ हम दुनियाँ के किसी भी कोने में बैठे लोगों से किसी भी विषय पर विचार विमर्श कर सकते हैं। इस पर ईमेल सुविधा, वीडियो कॉलिंग आदि आसानी से उपलब्ध है। ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा (*Online Distance Education*) के माध्यम से लोग घर बैठे अपना पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं। यह मनोरंजन का मुफ़्त साधन है। इसकी *Navigation facility* हमें एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाने में सक्षम है। इसकी कभी छुट्टी नहीं होती। यह हमें 24 ×7 उपलब्ध है।

**1. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द–**

| | | |
|---|---|---|
| ज्ञातुम् इच्छा | – जिज्ञासा | – जानने की इच्छा |
| कर्तुम् इच्छा | – चिकीर्षा | – करने की इच्छा |
| पातुम् इच्छा | – पिपासा | – पीने की इच्छा |

© NCERT not to be republished

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| भोक्तुम् इच्छा | – | बुभुक्षा | – | खाने की इच्छा |
| जीवितुम् इच्छा | – | जिजीविषा | – | जीने की इच्छा |
| गन्तुम् इच्छा | – | जिगमिषा | – | जाने की इच्छा |

**2. "तुमुन्" प्रत्यय में 'तुम्' शेष बचता है। यह प्रत्यय के लिए अर्थ में प्रयुक्त होता है। जैसे –**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कृ | + | तुमुन् | – | कर्तुम् | – | करने के लिए |
| दा | + | तुमुन् | – | दातुम् | – | देने के लिए |
| खाद् | + | तुमुन् | – | खादितुम् | – | खाने के लिए |
| पठ् | + | तुमुन् | – | पठितुम् | – | पढ़ने के लिए |
| लिख् | + | तुमुन् | – | लिखितुम् | – | लिखने के लिए |
| गम् | + | तुमुन् | – | गन्तुम् | – | जाने के लिए |

© NCERT not to be republished



Rationalised 2023-24